The Expert Committee could not come to any conclusion about the precise cause of the accident.

(b) While, on the one hand, a special drive was launched to strengthen track at the approaches of bridges and provision of emergency exits in coaches has been planned. Research, Designs and Standards Organisation is looking into the larger question of vehicle dynamics and rail-wheel interaction.

(c) Compensation aggregating to over Rs. one crore has been paid for loss of life, injury and loss of property.

No case is pending settlement at present.

Losses of foodgrains during transit

@*197. SHRI RAM JETHMALANI:
SARDAR JAGJIT SINGH AURORA:

Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the newsitem which appeared in the daily Tribune dated the 3rd April, 1991 under the caption "Huge transit losses of foodgrains";

(b) if so, whether any enquiry has been made into the allegation regarding huge losses during transit of foodgrains;

(c) if so, what are the details thereof; and

(d) if reply to part (b) above be in the negative what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD (INDEPENDENT CHARGE) (SHRI TARUN GOGOI): (a) Yes, Sir.

(b) to (d) Food Corporation of India is seized of the problem. Transit losses have come down from 1.93 per cent of the quantity moved in 1987-88 to 1.28 per cent in 1989-90.

@Previously Starred Question No. 97, transferred from 18-7-91.

जल संसाधनों के संबंध में राष्ट्रीय सम्मेलन

*198. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 17 से 19 जनवरी, 1991 के बीच नई दिल्ली में जल-संसाधनों के संबंध में कोई राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था; और

(ख) यदि हां, तो उस सम्मेलन में कितने प्रतिनिधियों ने भाग लिया, उसमें किन-किन विषयों पर चर्चा की गयी और सम्मेलन द्वारा इस संबंध में क्या-क्या सिफारिशें की गई ?

जल संसाधन मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) : (क) जी हां, राष्ट्रीय जल सम्मेलन 17 से 19 जनवरी, 1991 को नई दिल्ली में आयोजित किया गया ।

(ख) (1) भाग लेने वालों की संख्या—220

(2) मुख्य मुद्दे जिन पर विचार-विमर्श किया गया, वे हैं :—

वर्ण्य विषय 1—लोगों की सहभागिता

वर्ण्य विषय 2—भविष्य के लिए जल

वर्ण्य विषय 3—अन्तर बेसिन अन्तरण राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य

(3) की गई सिफारिशों के बारे में बताते हुए एक विवरण सभा-पटल पर रख जाता है ।

विवरण

17 से 19 जनवरी, 1991 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय जल सम्मेलन की सिफारिशें

(क) जल आपूर्ति स्कीमों की आयोजना और कार्यान्वयन में समाज की सहभागिता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए ताकि समाज द्वारा इसका सदस्य होने की भावना से इस प्रणाली के प्रचलन और अनुरक्षण को प्रभावी रूप से किया जा सके ।